भाकृअनुप–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी), जोधपुर में हिन्दी सप्ताह का आयोजन

भाकृअनुप–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में हिन्दी सप्ताह (13–21 सितम्बर, 2019) का आयोजन अत्यन्त हर्षोल्लास से किया गया। 13 सितम्बर, 2019 को उद्घाटन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. कैलाश कौशल, निदेशक (कमला नेहरू महाविद्यालय, जोधपुर) व अध्यक्ष (हिन्दी विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर) ने कहा कि विश्व के 140 विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है। अनेक भाषाओं के शब्द हिन्दी में समाहित है। हिन्दी भाषा की सरल सुगमता के कारण विदेशों में भी इसका प्रयोग बढ़ रहा है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. डी.डी. ओझा, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक (भूजल बोर्ड) एवम् सदस्य (वैज्ञानिक एवम् तकनीकी शब्दावली आयोग) ने कहा कि हिन्दी में बातचीत, लेखन आत्मीयता से जुड़ा रहता है। विज्ञान का लाभ तभी होगा जब उसके प्रकाशन आमजन की भाषा हिन्दी में हो। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवम् काजरी निदेशक डॉ. ओम प्रकाश यादव ने कहा कि विश्व के विभिन्न देश भारत को एक बड़े बाजार के रूप में देखते हैं। कम्प्यूटर एवम् सूचना तकनीकी के माध्यम से विश्व भर में हिन्दी भाषा का प्रचार–प्रसार तीव्रता से बढ़ रहा है। हिन्दी में व्यक्ति अपने मन की बात अच्छी तरह साझा कर सकता है। उप–निदेशक (राजभाषा) मधुबाला चारण ने कहा कि भावनाओं, विचारो की सही अभिव्यक्ति हिन्दी में ही संभव है। हिन्दी प्रभाग के प्रभारी डॉ. आर.के. कौल ने कहा कि हिन्दी भाषा में देश को एकता, भाईचारा बढ़ाने एवम् सशक्त करने की क्षमता है।

हिन्दी सप्ताह के अन्तर्गत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों हेतु प्रार्थना–पत्र लेखन, महिला कर्मचारियों हेतु संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें ब्रह्मकुमारी संस्थान से पधारे विशेषज्ञों द्वारा तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान एवम् प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस अवसर पर स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत पर निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई। वैज्ञानिकों हेतु शोध–पत्र प्रदर्शन, प्रशासनिक कर्मचारियों हेतु टंकण आदि विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में सभी वर्ग के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें हिन्दी टंकण में डॉ. संतोष कुमार मरवण, नटवर लाल पुरोहित, मनीष चौधरी; निबन्ध लेखन में डॉ. महेश कुमार, डॉ. पूनम कलश, बहादुर सिंह सांखला; सामान्य हिन्दी में हेमाराम, डॉ. संतोष कुमार मरवण, डॉ. सविता सिंघल; प्रार्थना पत्र लेखन में भीमराज सोलंकी, प्रेमाराम चौधरी, बाबूलाल देवासी; शोध–पत्र प्रदर्शन में डॉ. सुरेन्द्र पूनिया व सहयोगी लेखक, डॉ. हरिमोहन मीणा व सहयोगी लेखक, डॉ. सविता सिंघल व सहयोगी लेखक, क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रहे। श्रेष्ठ आलेख के लिए डॉ. पी.आर. मेघवाल व सहयोगी लेखक, डॉ. सुरेन्द्र पूनिया व सहयोगी लेखक को चुना गया। 21 सितम्बर, 2019 को कार्यक्रम का समापन अन्ताक्षरी व पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

हिन्दी अनुभाग के प्रभारी डॉ. आर.के. कौल ने अतिथियों का स्वागत किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. एल.एन. हर्ष, पूर्व कुलपति (कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर) ने कहा कि काजरी संस्थान का हिन्दी के कार्यों, तकनीकियों के प्रचार–प्रसार में अहम योगदान रहा है। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवम् प्रभारी निदेशक डॉ. प्रवीण भट्टनागर ने कहा कि हिन्दी भाषा का जानकार अधिकतम भाषा को समझ सकता है। राजभाषा के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। उपनिदेशक (राजभाषा) मधुबाला चारण ने हिन्दी सप्ताह की विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर इसे सफल बनाने हेतु सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।